दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर|| वर्ष : ०३ अंक:४२ | ग्वालियर मंगलवार, 11 फरवरी 2020 पृष्ठः ८ मूल्यः २ रु.

न्यूज ट्रैक

सर्द हवाओं से ठिठुरा इंदौर

इंदौर। इंदौर में सोमवार सुबह भी ठंड का कहर जारी रहा, सर्द हवाओं से लोग ठिठुरते रहे। इसके पहले रविवार के दिन धूप भी निकली और आसमान भी साफ रहा था, इसके बाद तेज हवाओं ने शहर में तेज ठंडक का अहसास करवाया। इंदौर में रविवार को अधिकतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री कम 22.8 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री रहा जो कि सामान्य रहा। मौसमविदों के मुताबिक सोमवार से शहर के तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी। इंदौर में इस सीजन में पहली बार रविवार को कोल्ड डे रहा, जबकि जनवरी माह में तीन दिन सीवियर कोल्ड और दो दिन कोल्ड डे की स्थिति बनी थी।

छात्राओं से छेड़खानी का मामला गरमाया, संसद में हुई गूंज

नई दिल्ली एजेंसी। दिल्ली के गर्गजी कालेज में छात्राओं के साथ हुई छेड़छाड़ का मामला गरमा गया है। इस मामले में जांच के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम कॉलेज पहुंच चुकी है। कॉलेज में बाहरी असामाजिक तत्वों ने घुसकर छात्राओं के साथ बदतमीजी की थी, इतना ही नहीं कई छात्राओं को घंटों तक बाथरूम में बंद भी रखा गया था। इस मामले का खुलासा होने के बाद महिला आयोग हरकत में आई है। छात्राओं की मानें तो कॉलेज में 100 से ज्यादा बाहरी लोग घुस आए थे और इसके बाद उन्होंने छात्राओं से अभद्रता करना शुरू कर दिया था। कॉलेज प्रबंधन की शिकायत पर पुलिस भी मामले की जांच कर रही है। महिला आयोग की टीम फिलहाल पीड़ित छात्राओं से पूरी घटना को लेकर पूछताछ कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कॉलेज प्रबंधन द्वारा भी इस घटना को लेकर माफी मांगी गई है। बताया जा रहा है कि आरोपी कॉलेज की दीवार फांदकर परिसर में घुसे थे।

एक और सरकारी कंपनी में हिस्सेदारी बेचने जा रही है सरकार, मिलेंगे 1,000 करोड़ रुपये

नई दिल्ली एजेंसी। विनिवेश लक्ष्यों को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार भारतीय स्टील प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) में भी अपनी पांच फीसदी हिस्सेदारी बेचने की तैयारी कर रही है। इससे 1,000 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। यह बिक्री ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए की जाएगी। इस प्रक्रिया में सरकारी कंपनी के प्रवर्तक अपनी हिस्सेदारी सीधे तौर पर निवेशकों को बेचते हैं, जिसमें पारदर्शिता का खास ख्याल रखा जाता है। निवेश एवं सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के एक अधिकारी ने बताया कि इस्पात मंत्रालय इस विनिवेश के लिए सिंगापुर और हांगकांग में रोडशो करने की तैयारी में है। सेल में सरकार की 75 फीसदी हिस्सेदारी है। सरकार देश की दूसरी सबसे बड़ी पेट्रोलियम कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) का भी निजीकरण करने जा रही है। साथ ही बजट 2020 में केंद्र सरकार ने एलान किया था कि वो भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की अपनी हिस्सेदारी भी बेचेगी।

यह है सरकार का लक्ष्य-बता दें कि चालू वित्त वर्ष में सरकार ने विनिवेश के जरिए 1.05 लाख करोड़ रुपये मिलने का लक्ष्य रखा था। हालांकि इस लक्ष्य के पूरे होने की संभावना नहीं है।

एससी/एसटी एक्ट / सुप्रीम कोर्ट ने 2 साल बाद अपना ही फैसला पलटा

केंद्र सरकार के संशोधन को मंजूरी दी; कानून मूलरूप में बना रहेगा

नई दिल्ली एजेंसी। अनुसूचित जाति/जनजाति के उत्पीड़न से जुड़े कानून (एससी/एसटी एक्ट) के प्रावधानों में पिछले साल सरकार की तरफ से किए गए संशोधनों को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है। जस्टिस अरुण मिश्र, जस्टिस विनीत सरन और जस्टिस रवींद्र भट की बेंच ने सोमवार को इस मामले में 2-1 से फैसला दिया, यानी दो जज फैसले के पक्ष में थे और एक ने इससे अलग राय रखी। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि अगर शुरुआती तौर पर लगता है कि केस झूठा है तो अदालत एफआईआर रद्द

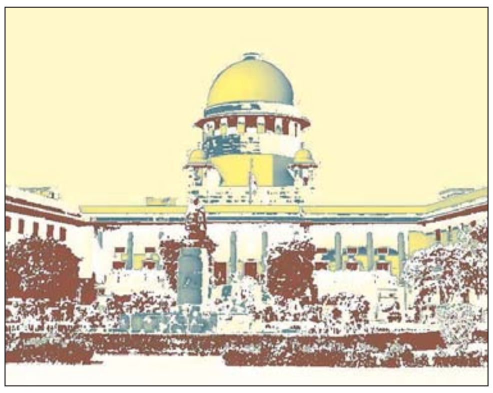

कर सकती है।

याचिकाकर्ता प्रिया शर्मा ने कहा- मार्च 2018 में कोर्ट ने कहा था कि एफआईआर दर्ज करने से पहले अधिकारियों से मंजूरी लेनी होगी यानी उसके बाद ही एफआईआर दर्ज होगी। लेकिन, अब एफआईआर दर्ज करने के लिए इसकी जरूरत नहीं होगी, यानी एससी/एसटी एक्ट अपने मूलरूप में लागू रहेगा। लेकिन, अगर अदालत को लगता है कि आरोपी के खिलाफ सबूत नहीं हैं, तो वह अग्रिम जमानत के लिए आवेदन कर सकता है। एफआईआर और गिरफ्तारी अलग-अलग प्रक्रिया हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में क्या कहा : जस्टिस अरुण मिश्रा ने कहा- एससी/एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज करने के पहले जांच जरूरी नहीं है। साथ ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मंजूरी लेने की जरूरत भी नहीं है। जस्टिस रविंद्र भट ने फैसले में कहा- हर नागरिक को दूसरे नागरिकों के साथ समानता का व्यवहार करना चाहिए। भाईचारे को बढ़ावा देना चाहिए। अगर शुरुआती तौर पर एससी/एसटी एक्ट के तहत केस नहीं बनता, तो अदालत एफआईआर रद्द कर सकती है। ऐसे मामलों में अग्रिम जमानत का खुला इस्तेमाल संसद की मंशा के खिलाफ होगा।

सरकार पर बरसे राहुल- आरक्षण खत्म करना भाजपा की रणनीति, हम ऐसा होने नहीं देंगे

नई दिल्ली एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के द्वारा सरकारी नौकरी में आरक्षण को लेकर की गई टिप्पणी के बाद राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई है। कांग्रेस की ओर से इस मसले पर मोदी सरकार पर दबाव बनाया जा रहा है और सर्वोच्च अदालत में पुनर्विचार याचिका दायर करने के लिए कहा जा रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी इस मसले पर मोदी सरकार पर जमकर बरसे और कहा कि बीजेपी-ऋस्र् के डीएनए को आरक्षण चुभता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि ऋस्र्-ब्ब्धक्क की विचारधारा आरक्षण के खिलाफ है, वह किसी न किसी तरीके से रिजर्वेशन को हिंदुस्तान के संविधान से निकालना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पहले उन्होंने रविदास मंदिर तोड़ा क्योंकि जो एससी-एसटी कम्युनिटी है ये लोग उसे आगे नहीं बढ़ने देना चाहते हैं। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बीजेपी की रणनीति आरक्षण को रद्द करने की है, लेकिन बीजेपी वाले कितना भी सपना देख लें ऐसा कभी नहीं होगा। आरक्षण संविधान का हिस्सा है, बीजेपी की ओर से इसे ही खत्म करने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस नेता बोले कि मैं हिंदुस्तान की जनता को कह रहा हूं कि हम रिजर्वेशन को कभी नहीं मिटने देंगे, चाहे मोदी जी सपना देखे या मोहन भागवत सपना देखें।।हम ऐसा नहीं होने देंगे।

ई-टेंडर घोटाला: केंद्रीय एजेंसी बोली- ईओडब्ल्यू ने नहीं भेजा डाटा, इसलिए आगे नहीं बढ़ पा रही जांच

भोपाल एजेंसी। मध्य प्रदेश के बहुचर्चित ई-टेंडर घोटाले में अब केंद्र और राज्य सरकार की जांच एजेंसियों में टकराव हो रहा है। टेंडर से जुड़े डाटा को लेकर दोनों एजेंसियों के अधिकारी एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। केंद्रीय एजेंसी का कहना है कि ईओडब्ल्यू ने उसे पूरा डाटा नहीं दिया, लेकिन ईओडब्ल्यू का कहना है डाटा तो पूरा भेज दिया गया है। दोनों एजेंसियों के बीच इस टकराव की वजह से इस घोटाले की तकनीकी रिपोर्ट नहीं आ पा रही है। इसे खत्म करने के लिए 12

फरवरी को दोनों एजेंसियों के अफसर आमने-सामने बैठकर बात करेंगे। शिवराज सरकार में हुए कथित ई-टेंडर घोटाले की जांच कमलनाथ सरकार में शुरू हुई थी। ईओडब्ल्यू ने सबसे पहले नौ टेंडर में गड़बड़ी के मामले में स्त्रद्धक्रदर्ज की थी। ईओडब्ल्यू के तत्कालीन डीजी केएन तिवारी ने बंगलुरू से आए विशेषज्ञ और जांच से जुड़े अफसरों की मदद से तमाम टेंडर से जुड़ा डाटा तकनीकी रिपोर्ट के लिए केंद्र सरकार की एजेंसी इंडियन कम्प्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम यानि सर्ट-इन को भेजा था। सर्ट-इन ने कुछ ही महीनों में तीन टेंडर की रिपोर्ट भी ईओडब्ल्यू को भेजी थी। बाकी के छह टेंडर की रिपोर्ट अभी तक नहीं भेजी गई।

10 महीने में लिखे कई पत्र : तत्कालीन डीजी केएन तिवारी के समय भी कई बार सर्ट-इन ने पत्र लिखकर बाकी के छह टेंडर की तकनीकी रिपोर्ट ईओडब्ल्यू से मांगी, लेकिन वहां से कोई जबाव नहीं आया। इधर, ईओडब्ल्यू के अधिकारी भी दूसरे मामलों की जांच में उलझ गए।

आतंकी संगठ्नों के निशाने पर आरएसएस के नेता और कार्यालय,आईबी ने राज्यों को जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली। इंटेलिजेंस ब्यूरो की हाल ही में आई रिपोर्ट ने आएसएस को चौकन्ना कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नेता और उनके कार्यालय आतंकियों के निशाने पर हैं। वैश्विक आतंकवादी संगठन हमले को अंजाम देने के लिए या वाहन-जनित तात्कालिक का उपयोग कर सकते हैं। रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि हमला महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, आदि में हो सकता है। इसी महीने इंटेलिजेंस ब्यूरो द्वारा जारी किए गए नवीनतम इनपुट में दावा किया गया

है कि वैश्विक आतंकवादी संगठन से जुड़े आतंकी आने वाले दिनों में संभवत: का उपयोग करके ऋस्र् कार्यालयों व नेताओं और पुलिस स्टेशनों को निशाना बनाने की योजना बना रहे हैं। सूत्रों ने दावा किया है कि सतर्कता ने सभी संबंधित राज्य सरकारों को सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाने को कहा। एक शीर्ष अधिकारी ने दावा किया कि महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, यूपी और असम राज्यों में सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। पदाधिकारियों की सुरक्षा की भी समीक्षा की जा रही है।

एक और सरकारी कंपनी में हिस्सेदारी बेचने जा रही है सरकार

नई दिल्ली एजेंसी। विनिवेश लक्ष्यों को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार भारतीय स्टील प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) में भी अपनी पांच फीसदी हिस्सेदारी बेचने की तैयारी कर रही है। इससे 1,000 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। यह बिक्री ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए की जाएगी। इस प्रक्रिया में सरकारी कंपनी के प्रवर्तक अपनी हिस्सेदारी सीधे तौर पर निवेशकों को बेचते हैं, जिसमें पारदर्शिता का खास ख्याल रखा जाता है। निवेश एवं सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के एक अधिकारी ने बताया कि इस्पात मंत्रालय इस विनिवेश के लिए सिंगापुर और हांगकांग में रोडशो करने की तैयारी में है।

कमलनाथ सरकार ने की बड़ी सर्जरी: 50 से अधिक आईपीएस अधिकारियों के तबादले

भोपाल. प्रदेश सरकार ने आज भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 50 से अधिक अधिकारियों के तबादला आदेश जारी किए, जिससे पुलिस मुख्यालय के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा 16 जिलों के पुलिस अधीक्षक भी इधर से उधर किए गए हैं। सोमवार दोपहर बाद गृह विभाग द्वारा तबादला सूची जारी कर दी गई है।

अधिकारी का नाम	कहां थे	कहां भेजे गए
कैलाश मकवाना	एडीजी प्रशासन, पीएचक्यू	एडीजी नारकोटिक्स, पीएचक्यू
अजय कुमार शर्मा	एडीजी नारकोटिक्स, पीएचक्यू	एडीजी, प्रशासन, पीएचक्यू
जीपी सिंह	एडीजी, एससीआरबी, पीएचक्यू	एडीजी, एंटी नक्सल ऑपरेशन, पीएचक्यू
राजेश चावला	एडीजी, होमगार्ड, जबलपुर	एडीजी, एसीआरबी, पीएचक्यू
जी जर्नादन	एडीजी, जेएनपीए, सागर	एडीजी, शहडोल रेंज
मकरंद देउस्कर	आईजी, इंटेलीजेंस	आईजी, कानून व्यवस्था, पीएचक्यू
डी श्रीनिवास वर्मा	आईजी, पीएचक्यू, भोपाल	आईजी, कानून व्यवस्था, पीएचक्यू
एसपी सिंह	आईजी, पीएचक्यू	आईजी, विसबल रेंज, इंदौर
अविनाश शर्मा	आईजी, पीएचक्यू	आईजी, एससीआरबी, पीएचक्यू
मनोज शर्मा	आईजी, पीएचक्यू	आईजी इंटेलीजेंस, पीएचक्यू
हरिनारायण चारी मिश्रा	डीआईजी प्रबंध, पीएचक्यू	डीआईजी, खरगोन रेंज
एमएस वर्मा	डीआईजी, खरगोन	डीआईजी, जबलपुर
दीपक वर्मा	डीआईजी, सागर	डीआईजी, एसएएफ भोपाल
अनिल माहेश्वरी	डीआईजी, छतरपुर	डीआईजी, पीएचक्यू
आरएस डहेरिया	डीआईजी, बालाघाट	डीआईजी, सागर
संजय तिवारी	डीआईजी, इंदौर ग्रामीण	डीआईजी, पीएचक्यू
सुशांत सक्सेना	डीआईजी छिंदवाड़ा	डीआईजी, इंदौर ग्रामीण
अनिल सिंह कुशवाह	एसपी, शहडोल	डीआईजी, रीवा
आरके हिंगणकर	सेनानी 35वीं वाहनी, मंडला	डीआईजी, जेएनपीए, सागर
अरविंद सक्सेना	डीआईजी, पीएचक्यू	डीआईजी, आरएपीटीसी, इंदौर
हिमानी खन्ना	एआईजी, महिला अपराध जबलपुर	डीआईजी, पीएचक्यू
मिथलेश शुक्ला	एसपी पीएचक्यू भोपाल	डीआईजी, छिंदवाड़ा
एमएल छारी	एसपी, होशंगाबाद	डीआईजी, पीएचक्यू
तिलक सिंह	एसपी, छतरपुर	डीआईजी, पीएचक्यू
अनुराग शर्मा	सेनानी, 32वीं वाहनी, विस उज्जैन	डीआईजी, महिला अपराध इंदौर
विवेक सिंह	उप निदेशक, जेएनपीए सागर	डीआईजी, छतरपुर
कुमार सौरभ	एआईजी, पीटीआरआई पीएचक्यू	एसपी, छतरपुर
तरुण नायक	सेनानी, हॉकफोर्स, पीएचक्यू	एसपी, गुना
रुडोल्फ अल्वारेस	एसपी, भिंड	एआईजी, पीएचक्यू
संतोष सिंह गौर	सेनानी 7वीं वाहनी, भोपाल	एसपी, होशंगाबाद
अवधेश कुमार गोस्वामी	एसपी पश्चिम, इंदौर	एसपी, एपीटीसी इंदौर
महेश चंद्र जैन	सेनानी 24वीं वाहनी, जावरा	एसपी पश्चिम इंदौर
सविता सोहाने	एसपी, आगर-मालवा	एआईजी, पीएचक्यू
तुषारकांत विद्यार्थी	एसपी, पीटीसी इंदौर	एसपी सिंगरौली
सत्येंद्र कुमार शुक्ला	सेनानी, दूसरी वाहनी, ग्वालियर	एसपी, शहडोल
मनीष कुमार अग्रवाल	एसपी रेल, भोपाल	एसपी, हरदा
धर्मेंद्र सिंह भदौरिया	सेनानी, 14वीं वाहनी ग्वालियर	एसपी, बैतूल
हेमंत चौहान	एआईजी चयन, पीएचक्यू	एसपी, दमोह
मनोज कुमार सिंह	एसपी पीटीएस, रीवा	एसपी, आगर-मालवा
राहुल कुमार लोधा	एसपी, गुना	एआईजी, पीएचक्यू
कार्तिकेयन के	एसपी, बैतूल	सेनानी 18वीं वाहनी, शिवपुरी
विवेक अग्रवाल	सेनानी 18वीं वाहनी, शिवपुरी	एसपी छिंदवाड़ा
विवेक सिंह	एसपी, दमोह	एआईजी, पीएचक्यू
संपत उपाध्याय	एसपी दक्षिण, भोपाल	एसपी, श्योपुर
अजय सिंह	एसपी, बुरहानपुर	एसपी रेल, इंदौर
नागेंद्र सिंह	एसपी, श्योपुर	एसपी, भिंड
साईकृष्ण एस थोटा	एआईजी इंटेलीजेंस, पीएचक्यू	एसपी दक्षिण, भोपाल
अभिजीत रंजन	एसपी, सिंगरौली	एआईजी, पीएचक्यू
राकेश कुमार सागर	एसपी, नीमच	एसपी रेल, भोपाल
भगवत सिंह विर्दे	एसपी, हरदा	एसपी, बुरहानपुर
मनोज कुमार राय	एसपी, छिंदवाड़ा	एसपी, नीमच
रघुवंश भदौरिया	एसपी ईओडब्ल्यू, ग्वालियर	एसपी अशोकनगर

विश्व दलहन दिवस

दालों की दृष्टि से भारत को सरप्लस देश बनाने का लक्ष्य: नरेंद्र सिंह तोमर

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने विश्व दलहन दिवस पर आयोजित वैश्विक कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि देश में दलहन उत्पादन बढ़ाने को लेकर किसान और सरकार मिलकर काम कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि दालें भारत सहित विश्व के लिए अत्यंत आवश्यक खाद्य पदार्थ है। दलहन की आवश्यकता एवं इसकी पोषकता को समझते हुए दलहन का उत्पादन बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता रही है। भारत में शाकाहारी के साथ-साथ मांसाहारी लोगों के लिए भी दालों का महत्व है। दालों से प्रोटीन प्राप्त होता है, इसके साथ ही पथरी रोग के निदान में कुल्थी की दाल के उपयोग की भी मान्यता है। दालों की दृष्टि से भारत सरप्लस देश बने, इस लक्ष्य को लेकर किसान और सरकार मिलकर काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत निरंतर दलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। जिस तरह से खाद्यान उत्पादन में अनुसंधानकर्ता, किसानों, बीज निर्माताओं और राज्य सरकारों के प्रयत्नों से देश आवश्यकता से कई गुना अधिक उत्पादन करने में सफल हुआ, उसी

प्रकार दलहन उत्पादन में कमी को देखते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर सभी के साझा प्रयासों से हमारा देश 2016-17 में स्वत: पर्याप्त (सेल्फ सफिशियन्ट) देश बन चुका है। फसल वर्ष 2018-19 के दौरान भारत में 22 मिलियन टन दलहन उत्पादन हुआ और अगले साल का लक्ष्य 26.30 मिलियन टन उत्पादन का है। श्री तोमर ने कहा कि कृषि क्षेत्र में उत्पादन एक पक्ष है, उससे भी अधिक महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले। इस दृष्टि से मोदी सरकार ने डॉ. स्वामीनाथन की अनुशंसाओं के अनुसार, एमएसपी को लागत का डेढ़ गुना बढ़ाकर घोषित किया। पीएम-आशा के अंतर्गत किसानों को उनकी उपज का उचित दाम दिलवाने के लिए प्रयास जारी हैं। मूल?य समर्थन योजना (पीएसएस) के समुचित क्रियान्वयन और खरीदी गई दालों के प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने केंद्रीय नोडल एजेंसियों को नियुक?त किया है। इनमें से नेफेड भी एक प्रमुख संस्थान है। उन्होंने प्रसन्नता जताते हुए बताया कि केंद्र सरकार ने पीएसएस के अर्न्?तगत पिछले 5 वर्षों में 63 लाख टन दलहन की खरीद की है, जिससे लाखों किसानों लाभान्वित हुए हैं। दालों की दृष्टि से भारत एक सरप्लस देश बने, इस लक्ष्य को लेकर किसान और सरकार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार कृषि की महत्ता और प्रधानता को जानती है। मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद इस बात पर जोर दिया गया कि कृषि व गांवों की अर्थव्यवस्था मजबूत होनी चाहिए और इस दिशा में नीति आयोग के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं। साथ ही नीति आयोग और प्रधानमंत्री जी की दृढ़ संकल्पना के साथ इस दिशा में प्रयास जारी है। आम बजट में कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्र के लिए लगभग 3 लाख करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। कुछ साल पहले तक कृषि के लिए मात्र 27 हजार करोड़ रूपए का बजट होता था, जो वर्तमान में बढ़कर डेढ़ लाख करोड़ रूपए से ज्यादा का हो गया है।

सरकार लगातार इस बात के प्रयास कर रही है कि अभावों को पाटा जाएं और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले, किसानों की मार्केट तक पहुंच बढ़े, किसानों को बिचौलियों से मुक्ति मिले और कृषि उत्पादों के लिए विशेष रूप से लॉजिस्टिक की व्यवस्था हो। इसीलिए किसान रेल चलाने की घोषणा भी बजट में की गई है। कृषि उत्पादों के साथ बागवानी फसलों के लिए भी रेलगाड़ियों का संचालन हो सकेगा। नार्थ ईस्ट क्षेत्र से फलों के निर्यात को बढ़ाने हेतु बजट में किसान उड़ान योजना का प्रावधान भी किया गया है। श्री तोमर ने कहा कि एक देश-एक बाजार की कल्पना कृषि के क्षेत्र में साकार करने हेतु ई-नाम पोर्टल बनाया गया, जिसके अंतर्गत अब तक 585 मंडियां जुड़ चुकी हैं और 400 से अधिक और मंडियां भविष्य में जुड़ जाएगी। एक करोड़ से अधिक व्यापारी और एक करोड़ से अधिक किसान इस प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से 91 हजार करोड़ रूपए से अधिक का व्यापार कर चुके है, जो एक शुभ संकेत है। जैविक खेती बढ़ाने हेतु भी केंद्र सरकार, राज्यों के साथ मिलकर कार्य कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्य गेट का चटकाया ताला, अन्दर से समेटे गहने

भिण्ड,ब्यूरो। एक अधेड़ महिला वृंदावन दर्शन करने के लिए मकान में ताला डालकर गई हुई थी, इसी दौरान चोरों ने मकान के ताले चटकाकर सोने-चांदी के गहने सहित नगदी पार कर दी। यह चोरी की वारदात देहात थाना क्षेत्र के दुर्गा नगर में घटित हुई। पड़ोसियों ने वारदात की सूचना महिला व पुलिस को दी और मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का मुआयना किया और फरियादी की शिकायत पर चोरों के विरुद्ध मामला दर्ज कर चोरों की पड़ताल शुरु कर दी है। पुलिस के अनुसार शनिवार-रविवार की रात अज्ञात चोरों ने उस वक्त मकान को निशाना बनाया जब कृष्णा पत्नी स्व. रामजदसिंह राजावत निवासी दुर्गा नगर जो तीर्थ यात्रा के लिए वृंदावन दर्शन करने के लिए गई हुई थी, इसी दौरान चोरों ने वारदात को अंजाम देकर माल समेटा और रफू चक्कर हो गये। महिला ने पुलिस को बताया उसके घर से चोरो ने सोने-चांदी गहने चोरी कर ले गये, पुलिस के अनुसार 48 हजार रुपये का गहने चोरी होना बताया जा रहा है।

रेलवे ट्रेक पर मिले मां-बेटे के शव की हुई शिनाख्त

भिण्ड,ब्यूरो। रेलवे ट्रेक पर रविवार को मिली मां बेटे की लाश की शिनाख्त हो गई है, मृतक गोरमी इलाके के बताए जा रहे हैं और दोनों की गोली मारकर हत्या की आशंका जताई गई है हालांकि पुलिस फिलहाल जांच की बात कह रही है। रविवार सुबह गोहद स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर एक महिला और बच्चे के शव मिले थे। जिसे देख कर अन्दाजा लगाया जा रहा था कि हत्या गोली मारकर की गई है और शव ट्रेक पर फेंके गए हैं। लेकिन दोनों की ही पहचान नही हो सकी थी। गोहद चौराहा थाना पुलिस ने बताया कि सोमवार की सुबह गोरमी से आये कुछ लोगों ने उनकी पहचान की है। महिला का नाम संध्या जाटव और बेटे का नाम आर्यन बताया जा रहा है। मामले को लेकर मृतक महिला के पति अशोक कुमार ने बताया कि उसकी पत्नी 8 फरवरी को गोरमी के ग्राम कपाची का पुरा में दोपहर में दवा लेने निकली थी लेकिन वह शाम तक नही लौटी उसके बाद काफी समय तक इंतजार किया। आस पड़ोस और रिश्तेदारों में भी पता किया लेकिन जब नहीं मिली तो देखा घर के संदूकों में रखे पैसे और समान गायब था, जिसके बाद 9 तारीख को पुलिस में सूचना कर रिपोर्ट लिखाई। मृतका के पति ने उसकी हत्या के पीछे सेंथरा गांव के एक युवक पर शक जताया है, क्योंकि उसके साथ महिला के अवैध संबंधों की आशंका जताई है। दोनों शवों की पहचान के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

अज्ञात ने की बाईक चोरी, मामला दर्ज

भिण्ड,ब्यूरो। मालनपुर थाना क्षेत्र के हरीराम की कुईया के पास स्थित सब्जी की दुकान के सामने से अज्ञात चोर ने बाईक चोरी की घटना को अन्जाम दे दिया है। पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार हरिओम पुत्र रामप्रकाश कुशवाह निवासी लहचुरा रविवार की देर शाम हरीराम की कुईया स्थित अपनी सब्जी की दुकान पर बैठा हुआ था, तभी किसी अज्ञात चोर ने उसकी बाईक हीरो स्प्लेण्डर क्रमांक एमपी 30 एमएस 4098 को चोरी कर मौके से फरार हो गए। जब फरियादी ने कुछ समय बाद देखा तो उसे बाईक नहीं मिली। घटना की जानकारी फरियादी ने पुलिस को दी। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर से अज्ञात चोर के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरु कर दी है।

अवैध हथियार लेकर घूम रहे दो युवक गिरफ्तार

भिण्ड,ब्यूरो। देहात थाना क्षेत्रान्तर्गत पुलिस ने दो युवक मुखबिर की सूचना पर दबोचकर हवालात पहुंचाये। पकडे गये आरोपियों की जब उनकी तलाशी ली गई तो उनके पास से लोहे की छुरी तो दूसरे से 315 बोर कट्टा बरामद किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों पर आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। देहात थाना पुलिस ने बताया रविवार शाम 7.55 बजे कल्लू उर्फ शिवम पुत्र अशोक तिवारी निवासी चतुर्वेदी नगर क्षेत्र के सर्किट हाउस के पास फल मणडी पुलिया के पास अवैध एक लोहे की छुरी लेकर घूम रहा था, मुखबिर की सूचना पर दबोच लिया और आरोपी से चाकू बरामद किया गया। उधर इसी थाना क्षेत्र के गल्ला मण्डी पीछे वाली रोड पर शनिवार देर रात 9 बजे एक युवक अवैध हथियार लेकर घूमते हुए पुलिस ने दबोच लिया और उसका नाम पूछने पर आरोपी ने भारतसिंह पुत्र रामबाबू शाक्य निवासी वार्ड क्र.13 का होना बताया, जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से एक 315 बोर कट्टा व एक जिंदा राउण्ड जब्त किया गया। पुलिस ने दोनों टारोपी पर आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज लिया है।

प्रारंभिक परीक्षा जुलाई 2020 का नवीन बेच प्रारंभ
पहले दिन विशेषज्ञ शिक्षकों के हुए लेक्चर

नवीन बेच में शामिल होने के लिए पंजीयन जारी

श्योपुर(अर्पित गुप्ता) खटीक समाज के सामुदायिक भवन पर सहभागिता से संचालित एमपीपीएससी निःशुल्क कोचिंग पर प्रारंभिक परीक्षा जुलाई 2020 को दृष्टिगत रखते हुए नवीन बेच 10 फरवरी 2020 को सुबह 7 बजे 10-30 बजे तक प्रारंभ विशेषज्ञ शिक्षकों के लेक्चर से हो गया है। इस नवीन बेच में शामिल होने के लिए पंजीयन जारी है।सहायक प्राध्यापक इतिहास खेमराज आर्य ने बताया कि मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के द्वारा जारी केलेंडर के अनुसार जुलाई 2020 में प्रारंभिक परीक्षा संभावित है। इसको दृष्टिगत रखते हुए और छात्र छात्राओं की मांग पर प्रारंभिक परीक्षा 2020 का नवीन बेच प्रारंभ कर दिया है। पहले दिन के बेच में सुबह 7 बजे 8 बजे तक करंट पर चर्चा हुई और सुबह 8 बजे से 10 बजे विशेषज्ञ परीक्षित भारती द्वारा विज्ञान विषय पर आधारित लेक्चर दिया गया। इसी तरह 10 बजे 10-30 बजे तक सहायक प्राध्यापक इतिहास खेमराज आर्य द्वारा आधुनिक भारत का इतिहास पढाया गया है। इसी तरह 11 फरवरी को सुबह 7 बजे 8 बजे तक करंट पर चर्चा, सुबह 8 बजे से 9 बजे तक विशेषज्ञ परीक्षित भारती का विज्ञान पर लेक्चर और सुबह 9 बजे से 10 बजे तक विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर विशेषज्ञ विकास सोनी का लेक्चर तथा सुबह 10-00 बजे से 10.30 बजे तक इतिहास विशेषज्ञ खेमराज आर्य का लेक्चर होगा।

गरीब का हक गरीब तक पहुंचे: मंत्री प्रद्युमन सिंह

खाद्य मंत्री ने राशन दुकानों का औचक निरीक्षण कर देखी व्यवस्थाऐं

भिण्ड,ब्यूरो। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्री प्रद्युमन सिंह ने सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित राशन दुकानों का औचक निरीक्षण कर वितरण व्यवस्था, स्टॉक, पीओएस मशीन द्वारा वितरण, नापतौल कांटा आदि की जांच कर व्यवस्थाऐं देखी।

खाद्य मंत्री प्रद्युमन सिंह ने भवानीपुरा स्थित वार्ड क्र.23-24, 26 की राशन दुकानो का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने राशन दुकानों से किए गए वितरण की जानकारी के साथ राशन दुकान में स्थित स्टॉक की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने स्टॉक मेंटेनेंश एवं वितरण में कई अनियमिताऐं पाई। जिस पर उन्होंने नाराजगी जाहिर करते

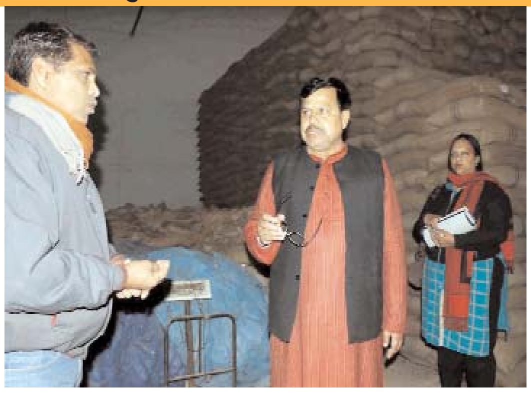

हुए संबंधित दुकान संचालक की समिति द्वारा जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। खाद्य मंत्री ने जवासा स्थित वेयरहाउस का भी औचक निरीक्षण कर यहां की व्यवस्थाऐं भी देखी। उन्होंने निरीक्षण के दौरान वेयर हाउस की टीनशेड में कई जगह छेद पाए जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए संबंधित को समय रहते ठीक कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वेयर हाउस ब्रांच मैनेजर अनुपस्थित मिले एंव कई सारी जानकारी ऑनलाईन फीड ना पाए जाने पर मंत्री ने नाराजगी जाहिर की।

मंत्री श्री सिंह ने किया भवानीपुरा में श्रमदान

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री प्रद्युमन सिंह ने भवानीपुरा स्थित वार्ड क्र.26 में नालियों में गंदगी को देख श्रमदान कर चौक नालियों को साफ किया।

सेमरपुरा के कटारे ने जीवित रहते की स्वयं की त्रियोदशी

भिण्ड,ब्यूरो। जिले के अटेर विकासखण्ड के पीपरी सर्किल स्थित ग्राम सेमरपुरा निवासी 75 वर्षीय विश्वनाथ कटारे ने अपने जीवित रहते ही अपने हाथ से ही त्रियोदशी कर ली। उन्होंने विधि-विधान से ब्राह्मणों को दक्षिणा दी और उन्हें भोजन कराया। जानकारी देते हुए विश्वनाथ कटारे के पुत्र रामशंकर कटारे ने बताया कि उनके पिताजी वृद्धावस्था में पहुंच गए हैं। उनकी इच्छा थी कि उनकी त्रियोदशी उनके जीवित रहते ही कर दी जाए, जिसे वे अपने हाथ से ही सम्पन्न कराना चाहते हैं। इसी बात को मद्देनजर रखते हुए विश्वनाथ कटारे ने अपने जीवित रहते गत दिवस विधि-विधान से कर्मकाण्ड कराए 13-12 सहित ब्राह्मणों को भोजन कराया और दक्षिणा दी। साथ ही एक लाख की राशि अवधेश कुमार चौधरी को इस उद्देश्य से प्रदान की कि इस राशि से उनके नाम से गांव में एक कमरे का निर्माण कराया जाए, जो गांव के लोगों को कार्यक्रम आयोजित कराने एवं बारात आदि के ठहराने में उपयोगी सावित हो। इस संबंध में जब विश्वनाथ कटारे से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि लोगों की मृत्यु के बाद ब्रह्मभोज के रूप में उनकी तेरहवीं कराई जाती है। मृत्यु के बाद संबंधित व्यक्ति उस प्रक्रिया को देख नहीं पाता है, इसीलिए हमने निर्णय लिया कि हम अपनी त्रियोदशी अपने सामने एवं अपने हाथ से ही करें। उन्होंने बताया कि उनकी इस बात को परिवारीजनों ने स्वीकार किया और यह आयोजन सम्पन्न कराया।

राम का चरित्र जीवन जीने की कला सिखाता है: शास्त्री

मेंहगांव। गहेली गांव में मंगलनाथ महादेव मंदिर पर चल रहे त्रिदिवसीय प्रवचन व संत सम्मेलन में दूसरे दिन सोमवार को प्रवचन का शुभारंभ राम अवतार जी शास्त्री (सोनी) द्वारा की गयी और कहा कि हमें जीवन देने वाला परमात्मा है अतः हमें नित्य परमात्मा का ध्यान करना चाहिए। जितनी चिंता हमें अन्य कार्यो की होती है उससे अधिक चिंतन परमात्मा का करना चाहिए तो जीवन धन्य हो जाएगा।

इसके पश्चात शास्त्री ने हनुमान जी के द्वारा द्रोणागिरि पर्वत से संजीवन लाते समय भरत द्वारा वाण मारने पर मूर्छित होने पर भरत से अयोध्या में हुए संवाद का मार्मिक चित्रण किया, जिसे सुनकर श्रोता मंत्रमुग्ध. हो गये। दूसरे वक्ता के रूप में पोरसा मुरैना से पधारे रामअवतार शास्त्री ने मंच संभाला और कहा, कि हमें सदैव परमात्मा की कृपा प्राप्त करने के लिए सतत चिंतन करना चाहिए और संगीतमय कथा सुनाते हुए सुंदर राम चरित्र का बर्णन किया शास्त्री की सरस कथा सुनकर श्रोता मंत्रमुग्ध दिखाए दिए। इस त्रिदिवसीय रामचरितमानस व संत सम्मेलन का आयोजन सभी ग्रामवासियों के सहयोग से भगवान मंगलनाथ महादेव के स्थान पर किया जाता है। जिसमें आसपास के गावों से श्रोता प्रवचन सुनने को उपस्थित होते हैं और यह कार्यक्रम प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है तथा प्रतिदिन ग्यारह बजे से पांच बजे तक यह कार्यक्रम चलता है।

नागेन्द्र होंगे भिण्ड एसपी, अल्वारेस का तबादला

भिण्ड,ब्यूरो। जिला पुलिस अधीक्षक रूडोल्फ अल्वारेस का तबादला हो गया है। अब उनके स्थान पर नागेन्द्र सिंह भिण्ड के नए पुलिस अधीक्षक होंगे। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा जारी आदेश के तहत भिण्ड पुलिस अधीक्षक रूडोल्फ अल्वारेस को भिण्ड से पुलिस मुख्यालय भोपाल पदस्थ किया गया है। उनके स्थान पर 2014 बैच के आईपीएस अधिकारी नरेन्द्र सिंह पुलिस अधीक्षक श्योपुर से स्थानांतरित होकर भिण्ड के पुलिस अधीक्षक का दायित्व संभालेंगे।

समय सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

भिण्ड,ब्यूरो। कलेक्टर छोटसिंह की अध्यक्षता में समय-सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक सोमवार को कलेक्टर कार्यालय भिण्ड के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने सीएम हैल्पलाईन अन्तर्गत लंबित शिकायतों की विस्तृत समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत आईएस ठाकुर, अपर कलेक्टर अनिल कुमार चांदिल, एसडीएम मेहगांव गणेश जायसवाल, डिप्टी कलेक्टर डीके शर्मा, शुभम शर्मा, सिद्धार्थ पटेल सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

कलेक्टर ने बैठक में सीएम हैल्पलाईन अन्तर्गत लंबित शिकायतो की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान पंचायत विभाग, राजस्व, एमपीईवी, जिला आपूर्ति, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागो की अधिक शिकायते लंबित पाए

जाने पर कलेक्टर ने अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने शिकायते लंबित होने के साथ कई शिकायते अनुत्तरित उच्च स्तर पर पहुंचने, सीएम हैल्पलाईन में शिकायते 100 दिवस एवं 500 दिवस से ज्यादा लंबित रहने पर भी जिनका निराकरण अभी तक नहीं किया गया है। ऐसी शिकायतो पर कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर करते हुए कठोर शब्दो में अधिकारियों से कहा कि शिकायतो का समय रहते गुणवत्तापूर्ण निराकरण करना तय करें संबंधित अधिकारी, अन्यथा की स्थिति में उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने बैठक में समाधान एक दिवस, लोकसेवा गारंटी, समय सीमा अन्तर्गत प्राप्त पत्र एवं जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा कर उनके त्वरित निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए।

मुरावली में शिवशक्ति एवं सहस्त्रचण्डी महायज्ञ 12से 21 फरवरी

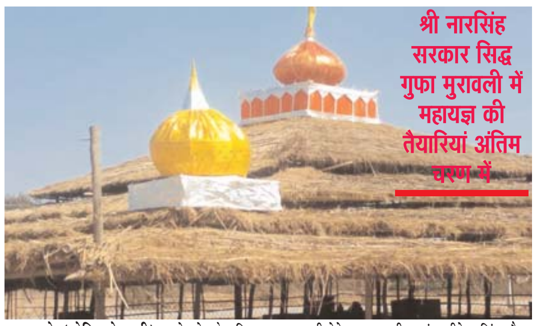

दबोह(मोहित गोस्वामी)। दबोह क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल श्री नारसिंह सरकार सिद्ध गुफा मुरावली में दैविक,भौतिक,तापिक बाधाओ को नष्ट करने के लिए विश्व शांति जनकल्याण के लिए 12 फरवरी से 21 फरवरी तक 108 कुण्डीय विशाल शिवशक्ति एवं सहस्त्रचण्डी महायज्ञ की तैयारियां अंतिम चरण में पहुँच गयी है।वहीं इस महायज्ञ को विशाल रूप देने के लिए ग्रामवासी व कार्यकर्ता दिन रात एक कर रहे है साथ ही देखा जाए तो इस विशाल महायज्ञ में प्रसिद्ध मठो के मठाधीशो के साथ-साथ कई राजनीतिक दलों की हस्तियां के शिरकत करने की आशा जताई जा रही है।यज्ञ की जानकारी देते हुए मुरावली सरपंच जीतेन्द्र सिंह कौरव ने बताया कि यज्ञ में 108 यज्ञशाला के साथ-साथ,भागवत,रामलीला रुद्राभिषेक,18पुराण,4 वेद,शास्त्र बाल्मीकि रामायण तथा विशेष कार्यक्रमो की तैयारियां पूर्ण हो चुकी है इसके साथ ही बाहर से पधारने बाले संत,मण्डलाधीश्वरो के साथ 108 वरणो रुकने के लिए पंडालो की व्यवस्था की जा चुकी वही मेला प्रांगण तथा भंडारगृह को अंतिम रूप दिया जा रहा है।यहां बता दें कि इस महायज्ञ में रोजाना लाखों की संख्या में धर्मप्रेमी बन्धुओ की महायज्ञ श्री नारसिंह सरकार सिद्ध गुफा मुरावली के दर्शन के लिये पहुँचने सम्भावना जताई जा रही है।यज्ञ को सुचारू रूप से चलाने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों ने भी कमर कस ली तथा अधिकारी यज्ञ स्थल पहुँच कर अपने-अपने विभाग की व्यवस्थाओ को अंतिम रूप देने में लगें हुये है।वही श्रद्धालुओं को आवागमन के लिए बेहतरीन व्यवस्था देने के उद्देश्य से यज्ञ स्थल पहुँचने के लिए दोनों ओर से नवीन सड़को का निर्माण कराया जा चुका है तो वहीं यज्ञशाला स्थल में एक कंट्रोलरूम बनाया गया है जो भक्तजनों एवं कार्यकर्ताओं को समय-समय पर निर्देशित करते रहेंगे है।इस महायज्ञ के शुभारंभ की पैदल कलश यात्रा 12 फरवरी दिन बुधवार को माँ रणकौशला देवी मंदिर से श्री नारसिंह सरकार सिद्ध गुफा मुरावली यज्ञ स्थल तक पहुँचेगी जहाँ पर सभी कलशों का मंत्रोच्चारण के साथ पूजन किया जाएगा।साथ ही बता दे कि महायज्ञ में यज्ञाचार्य प.श्री हरिहर जी त्रिवेदी,कथावाचक प.श्री मिथलेशदास जी महाराज श्रीधामवृंदावन औरेया वाले,वेदाचार्य डॉ.श्री भैरवदत्त त्रिवेदी है वहीं पारिक्षतो में प्रधान पारीक्षत रीनुदेवी-रणजीत सिंह कौरव लम्बरदार मुरावली, देवीपुराण पारीक्षत सुमनदेवी-रुस्तम सिंह कौरव लंबरदार अमाह,सहस्त्रचण्डी पारीक्षत रामसखी-अनन्त सिंह चौधरी अमाहा-मुरावली, रुद्राभिषेक पारीक्षत गिरजा देवी-जगमोहन शर्मा फरदुआ है।

जमुना इंटर कॉलेज ने सूर्योदय पब्लिक स्कूल को 18 रनों से हराया

दतिया। सोमवार को जमुना इण्टर कॉलेज और सूर्योदय पब्लिक स्कूल के मध्य मैत्री मैच का आयोजन किया गया। जिसमें मैच का आरंभ दोनों विद्यालयों के प्राचार्य जयप्रताप मांगोरिया और राहुल योगी सर ने टॉस करवाकर किया। मैच का टॉस सूर्योदय ने जीतकर पहले बालिंग का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुये जमुना इण्टर कॉलेज के बल्लेबाज अभिषेक अहिरवार ने 26 रन, केके कुशवाहा 30 रन और विकास अहिरवार ने 20 रनों का योगदान दिया। जमुना इण्टर कॉलेज ने निर्धारित 12 ओवरों में 111 रन बनाये और सूर्योदय को 112 रनों का लक्ष्य दिया जिसका पीछा करते हुये सूर्योदय की पूरी टीम 93 रन पर ऑल आउट हो गई और जमुना इण्टर कालेज ने मैच 18 रनों से जीत लिया। मैन ऑफ दा मैच अभिषेक अहिरवार को दिया गया। जिन्होंने 26 रन के साथ 5 विकेट लिये। मैन ऑफदा मैच का पुरूस्कार रामनिवास सर के द्वारा दिया गया।

5000 का इनामी लूट का आरोपी गिरफ्तार

लहार(अर्पित गुप्ता) पुलिस अधीक्षक भिंड रुडोल्फ अल्बारेज के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव कंचन एबम एस.डी.ओ.पी लहार दिनेश सिंह बैश्य के मार्गदर्शन

पुलिस अधीक्षक महोदय ने टीम को नगद पुरुस्कार देने की की घोषणा, लहार थाना प्रभारी दिलीप सिंह यादव की कार्यवाही

में थाना प्रभारी लहार दिलीप सिंह यादव को सूचना मिली लहार थाने से फरार लूट का आरोपी सुंदरपुरा मोड़ पर कही जाने की फिराक में खड़ा है मुखबिर की सूचना पर तुरत कार्यबाही करते हुए एक टीम बनाकर भेजी जिसे देखकर आरोपी ने भागने की कोशिश की पर टीम की सक्रियता के चलते दबोच लिया गया पूँछतांछ में आरोपी ने अपना नाम कल्लू उर्फ कांतर बताया जानकारी के लिए आपको बता दे आरोपी लहार ,मिहोना,एबम असवार से लूट के मामले में फरार चल रहा था जिस पर पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा 5000 रुपये का इनाम घोषित था को आज लहार पुलिस एबम क्राइम टीम ग्वालियर द्वारा धर दबोचा गया उक्त कार्यबाही में थाना प्रभारी दिलीप सिंह यादव की टीम में क्राइम ब्रांच की सिंघम महिला आरक्षक अर्चना कंसाना,आरक्षक प्रदीप यादव, उपनिरीक्षक आलोक तोमर, उपनिरीक्षक आदिल खान,आरक्षक अरविंद भदौरिया, सनी यादव, अनिल शर्मा, शैलेन्द्र सिंह, आनंद दीक्षित सायबर सेल भिंड की अहम भूमिका रही ।

विधायक ने की अतिक्रमण पीड़ितों से मुलाकात जाना उनका हाल

गोहद। विधायक रणवीर जाटव ने आज ग्राम कीरतपुरा वार्ड क्रमांक 17 में न्यायालय के आदेश से टुटे अतिक्रमणकारियों के बीच पहुचकर उनका दुख दर्द बाटा व अतिक्रमण विरोधी मुहिम के कारण जिन गरीब परिवारों के सिर से छत उजड़ गयी है उन व्यक्तियों से मिलकर उनकी समस्या सुनी। जिसमें पीड़ितों ने विधायक से कहा कि हमें हमारे खलियान में ही आवास दिए जाए जिस पर विधायक ने तहसीलदार गोहद एवं सीएमओ गोहद नगर पालिका को निर्देशित किया कि पीड़ितों की बात को तुरन्त अमल में लाकर तत्काल कार्रवाई करें। इसके साथ ही विधायक ने सभी पीड़ितों को 5,5 हजार के चेक देने की घोषणा की और साथ ही सीएमओ गोहद को निर्देशित किया कि जिन लोगों के राशन कार्ड नहीं बने हुए हैं उन पीड़ितों के राशन कार्ड के लिए सर्वे कराकर राशन कार्ड बनवाए जाएं व पीड़ित परिवारों के लिए अभी तत्काल राशन की व्यवस्था की जाए जिस पर नगर पालिका सीएमओ ने अमल करते हुए पीड़ित परिवार को राशन सामग्री नगर पालिका कर्मचारियों से वितरित करवाई।

दैनिक भास्कर समूह ने कराई मिनी मैराथन दौड़

लहार(अर्पित गुप्ता)। सोमवार दिनांक 10 फरवरी 2020 को नगर लहार में दैनिक भास्कर समूह के द्वारा मिनी मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया।जिसमें नगर एवं आसपास के क्षेत्र के सभी बच्चों, युवकों एवं सीनियर सिटीजन ने भाग लिया मैराथन दौड़ का आरंभ लहार विश्राम गृह के सामने से महाराणा प्रताप चौराहा तक किया गया मैराथन दौड़ में मुख्य अतिथि सामान्य प्रशासन एबम सहकारिता मंत्री डॉक्टर गोविंद सिंह एवं विशिष्ट अतिथि उदय प्रताप सिंह सेंगर (राजा बाबू)प्रशासक जिला सहकारी केंद्रीय बैंक भिंड ,डॉ अमित प्रताप सिंह डायरेक्टर इफको मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ ,नरेश सिंह चौहान एडवोकेट पूर्व उपाध्यक्ष नगर पंचायत लहार और रामेन्द्र सिंह अध्यक्ष ग्रामीण बचत बैंक वैसपुरा की उपस्थिति में संपन्न हुआ।मैराथन दौड़ का प्रारंभ माननीय मंत्री जी द्वारा झंडी को दिखाकर किया गया मैराथन दौड़ में 15 वर्ष के ऊपर बालक एवं बालिका वर्ग इसके अलावा 15 वर्ष के नीचे के बालक एवं बालिका वर्ग और नगर के सीनियर सिटीजनो ने भी मैराथन दौड़ में भाग लिया जिनको अलग अलग चरणों मे सभी उम्र के बालक एबम बालिकाओं को मैराथन दौड़ में दौड़ाया गया मैराथन दौड़ का समापन महाराणा प्रताप चौराहा पर हुआ जिसमें प्रथम पुरस्कार

के रूप में एलईडी टीवी एवं द्वितीय पुरस्कार के रूप में वॉशिंग मशीन व तृतीय पुरस्कार के रूप में साइकिल सभी विजेताओं को प्रदान की गई और माननीय मंत्री महोदय द्वारा सभी वर्गों के विजेताओं को पांच हजार रुपये (5000 / रुपये)उनके खाते में विधायक निधि से अलग से जारी किये जाने की घोषणा की गई माननीय मंत्री महोदय ने अपने वक्तव्य में सभी लोगों से नगर को स्वच्छ रखने की अपील की एवं सभी प्रतियोगी छात्र ,छात्राओं एबम युबको को शपथ दिलाई कि नगर को पॉलिथीन मुक्त रखेंगे और नगर को साफ स्वच्छ बनाये रखने में नगर का सहयोग करेंगे आज के कार्यक्रम में प्रमुख रूप से दैनिक भास्कर समूह से आए हुए सभी पदाधिकारी गण एस.डी.एम ओमनारायण सिंह,एवं खंड शिक्षा अधिकारी लहार कप्तान सिंह कुशवाह, खंड शिक्षा अधिकारी रौन करन सिंह कुशवाह, मुख्य नगरपालिका अधिकारी महेश पुरोहित जी लहार थाना प्रभारी दिलीप सिंह यादव जी एबम शिक्षा विभाग से शैलेंद्र सिंह कुशवाह जानकी नंदन समाधिया,मुशर्रफ खान,संजय वर्मा,सरजीत सिंह, राजेश सिंह, रघुनंदन सिंह इत्यादि सभी शिक्षकों ने मैराथन दौड़ में पूर्ण सहयोग प्रदान किया ।

साप्ताहिक समाचार पत्र
पुष्पांजली टुडे

संपादकीय

लापरवाही का नतीजा

चीन में कोरोना वायरस के कारण होने वाली मौतों का आंकड़ा आठ सौ से ऊपर पहुंचने का मतलब है कि वह इस व्याधि को लेकर गंभीर संकट से घिर गया है। चीन इसके पहले वर्ष 2003 में जब सार्स वायरस की चपेट में आया था, तब वहां करीब सात सौ से अधिक लोग मारे गए थे। हालांकि कोरोना की तरह सार्स वायरस भी कई देशों में फैला था, लेकिन उस पर काबू पा लिया गया था। यह चिंताजनक है कि कोरोना वायरस से संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या चीन के साथ-साथ अन्य अनेक देशों में भी बढ़ती जा रही है। इससे भी बड़ी चिंता की बात यह है कि अभी कोरोना वायरस के संक्रमण का कोई कारगर उपचार नहीं खोजा जा सका है। यही कारण है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस संक्रमण को दुनिया की सेहत के लिए आपातकाल करार दिया है। यह ठीक है कि चीन समेत दुनिया के कई देश कोरोना वायरस के संक्रमण से उपजी चुनौती से निपटने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि यह संकट मूलत- चीन की लापरवाही से उपजा, जो विकराल होता जा रहा है। यदि चीन ने कोरोना वायरस को लेकर प्रारंभ में ही सतर्कता बरती होती तो शायद आज स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती। उसने केवल जरूरी सावधानी बरतने से ही इनकार नहीं किया, बल्कि अपने स्वास्थ्य तंत्र को समय पर आगाह भी नहीं किया। चूंकि आम लोग इससे अनजान ही रहे कि एक खतरनाक किस्म के वायरस ने सिर उठा लिया है, इसलिए वे अंधेरे में बने रहे और उन पक्षियों के मांस का सेवन भी करते रहे, जिन्हें कोरोना वायरस के लिए जिम्मेदार माना जा रहा है। कोरोना वायरस का संक्रमण केवल मानव स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी संकट बनता जा रहा है। इस संकट से बचा जा सकता था या उसके असर को कम किया जा सकता था, यदि चीन ने जिम्मेदार देश की तरह व्यवहार किया होता। दुर्भाग्य से उसने वही किया, जो तानाशाही व्यवस्था वाले देश करते हैं। चीनी प्रशासन ने जरूरी सूचनाओं को दबाने के साथ ही उन चिकित्सकों को प्रताड़ित किया, जिन्होंने कोरोना वायरस की गंभीरता को लेकर आवाज उठाई। उसने एक और गैरजिम्मेदाराना काम यह किया कि कोरोना वायरस के बारे में विश्व स्वास्थ्य संगठन को तो सूचना दे दी, लेकिन अपने लोगों को कुछ नहीं बताया। इसके दुष्परिणाम सामने आने ही थे। संकट से घिरे चीन के प्रति हमदर्दी समय की मांग है और भारतीय प्रधानमंत्री ने चीनी राष्ट्रपति को मदद की पेशकश करके यही किया है, लेकिन विश्व समुदाय को चीन के समक्ष यह भी रेखांकित करना चाहिए कि उसकी लापरवाही ने एक बड़ी मुसीबत खड़ी कर दी है।

सरोगेसी का दायरा

बीते साल संसद में सरोगेसी नियमन बिल-2019 पेश किया गया था, जिसे लोकसभा ने तो पारित कर दिया था, मगर राज्यसभा में यह बिल पारित नहीं हुआ। दरअसल, विधेयक के कई प्रावधानों को लेकर असहमति बनी रही। निःसंदेह सरोगेसी की सुविधा प्राकृतिक तथा सेहत से जुड़े कारणों से संतान उत्पत्ति में अक्षम दंपतियों को चिकित्सा तकनीक की मदद से संतान सुख का अवसर देती है। इसमें संतान चाहने वाले दंपति किसी अन्य महिला द्वारा गर्भ धारण करवाकर संतान का सुख हासिल करते हैं। लेकिन कालांतर में सरोगेसी के बड़े कारोबार में तब्दील होने तथा गर्भ धारण करने वाली महिला को पर्याप्त आर्थिक लाभ न मिलने की शिकायतें आने लगीं। सवाल गर्भ धारण करने वाली महिला के अधिकार को लेकर भी उठे। क्या उसके स्वास्थ्य से जुड़े अधिकारों का पालन हो रहा है? सवाल सरोगेसी के नैतिक पक्ष को लेकर भी उठे, सवाल ऐसी महिलाओं को लेकर भी उठे जो पैसा देकर प्रसव के कष्ट से बचना चाहती हैं। फिर सरोगेसी के व्यावसायीकरण तथा अभिजात्य वर्ग में इसके फैशन के रूप में विकसित होने को लेकर भी सवाल उठे। पैसे के बल पर शौक पूरा करने के लिये कुछ सेलिब्रेटी भी इसका उपयोग कर रही थीं, जिनके पास पहले से बच्चे हैं। इतना ही नहीं, विदेशी दंपतियों के लिये भारत 'सरोगेसी हब' बन गया था। ऐसे में सरोगेसी के नैतिक पक्ष को मजबूत बनाने व गरीब महिलाओं को शोषण से मुक्त करने के लिये सरकार ने हस्तक्षेप किया।

आशंकाओं को दूर करने व सरोगेसी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए सरकार सरोगेसी नियमन बिल 2019 लोकसभा में लेकर आयी, जिसके जरिये सरोगेसी से जुड़े कानून सख्त बनाये गये। जिसमें सरोगेसी के लिये दंपतियों के नजदीकी रिश्तेदार महिला को चुनने की अनिवार्यता भी शामिल थी। मगर संसदीय समिति की रिपोर्ट में उन चिन्हित जोड़ों को लेकर भी सवाल उठे जिन्हें इस सुविधा से वंचित किया गया। राज्यसभा की एक संसदीय समिति ने बिल के कुछ प्रावधानों में बदलाव की सिफारिश की। विशेष रूप से संतान उत्पन्न करने में अक्षम दंपतियों को लेकर वह शर्त हटाने की सिफारिश की गई जिसमें नजदीकी रिश्तेदार होने की बाध्यता रही है। यह भूमिका किसी अन्य इच्छुक महिला को दिये जाने की अनुमति देने की बात कही गई। सिफारिश की गई कि पैंतीस से पैंतालिस साल की अकेली और विधवा महिलाओं को भी सरोगेसी संतान का मौका दिया जाए। इसमें भारतीय मूल की प्रवासी महिला को भी शामिल करने की बात कही गई है। संसदीय समिति की पंद्रह सिफारिशों में सरोगेट मां के लिये प्रस्तावित बीमा सुविधा की अवधि को 16 से बढ़ाकर 36 माह करने की मांग हुई। इसमें गर्भ?धारण करने की प्रक्रिया में बच्चे के स्वास्थ्य को लेकर आने वाली जटिलता की स्थिति में महिला की आर्थिक व चिकित्सीय सुविधा-सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए।

शिक्षित बेरोजगार बनाने वाली शिक्षा

क्षमा शर्मा

कई साल पहले गांव में पड़ोस की चाची सामने बैठी थी। उनके चेहरे पर चिंता की रेखाएं थीं। शादी का माहौल था। हंसी मजाक था। वह हंसती भी थीं लेकिन हंसी में भी जैसे कोई निराशा दिखती थी। चाची सभी को बहुत खुशमिजाज लगती थी। उनके घर में जाओ तो न केवल प्यार से बिठाती थी बल्कि घर में जो कुछ भी बनाया होता, उसे बिना खाए-पिए न आने देती थीं।

गांव में कई साल बाद जाना हुआ था जब से माता-पिता नहीं रहे थे। गांव तभी जाना होता था, जब कोई शादी ब्याह हो, वरना तो गांव के घर से जैसे नाता-सा टूट गया था। जब बात आगे बढ़ी और उनके परिवार के बारे में होने लगी तो चाची एक-एक करके अपनी बेटियों के बारे में बताने लगी। तीन बेटियां। एक ने एम.ए., बी.एड. किया था। दूसरी ने बी.एससी., बी.एड. और तीसरी एम.ए., पी.एचडी. थी। लेकिन कोई भी लड़की कहीं नौकरी नहीं करती थी। गांव से बाहर दो कि.मी. के बाद शहर था। लेकिन इस छोटे शहर में न कोई उद्योग था, न बड़े दफ्तर। इसलिए न लड़कों को रोजगार था, न लड़कियों को। चाची का कहना था कि लड़कियां पढ़ने-लिखने में बहुत होशियार हैं। हमेशा वजीफा मिलता रहा है, लेकिन इतना पढ़-लिखकर घर में बैठी हैं। घर में ही बैठना था तो हमारी पीढ़ी ही क्या बुरी थी। कम से कम घर के सारे काम खुद करके सारे पैसे बचा लेती थी, जिन चीजों में आजकल के कमाऊ लड़के-लड़कियां ढेर-सा पैसा खर्च करते हैं। चाची की हां में हां आसपास बैठी दूसरी औरतें भी मिला रही थीं। सबके बाल-बच्चों की कथाएं एक जैसी थीं— बेरोजगारी की। पढ़ने-लिखने के बाद खाली बैठने की, निराशा और दुख की।

चाची ने एक महत्वपूर्ण बात और कही। कहने लगी कि लड़कियों को इसलिए भी पढ़ाया-लिखाया कि अच्छे घरों में इनके रिश्ते हो जाएंगे। मगर लड़कियों की पढ़ाई को देखते हुए इनसे ज्यादा पढ़े-लिखे लड़के ढूंढ़ने पड़ते हैं। पहले तो मिलते नहीं। मिलते हैं तो बहुत से बेरोजगार हैं। और रोजगार वालों की मांगें इतनी ज्यादा हैं कि पूरी करने की हैसियत नहीं। इसलिए न तो लड़कियों की शादी हुई है और न उनके पास कोई नौकरी ही है। और उम्र है कि निकलती जा रही है। कम पढ़े-लिखे लड़के ढूंढ़ें तो पहले तो लड़कियां ही तैयार नहीं होतीं। अगर हो भी जाएं तो लड़के नहीं मानते। वे कहते हैं कि अपने से ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की लाएंगे तो उनकी पूछ क्या रहेगी। वैसे दहेज की मांग इनकी भी कोई कम नहीं होती।

सोचने लगी, हम सब लगाते रहें दहेज के खिलाफ नारे, मगर सच्चाई यह है कि बिना दहेज के आज भी कोई शादी मुश्किल से ही होती है। इसीलिए जब कोई ऐसी शादी होती है तो वह खबर बन जाती है। ये सारी बातें एक शादी के दौरान हो रही थीं, इसलिए और भी परेशानी पैदा कर रही थीं। जिन माता-पिता के बच्चे बेरोजगार हैं और जिनकी शादी भी नहीं हुई, ऐसे वक्त में उनका दुख उभर आना स्वाभाविक भी था। इन सब महिलाओं की बात सुनकर लगने लगा कि वाकई क्या मात्र यह कहने से कि सब पढ़ें-लिखें, समस्याएं हल हो सकती हैं। अगर आदमी पढ़-लिख जाए तो आगे क्या हो। यह बात भी सच है कि पढ़ने के बाद गांव के बच्चे अपने खेतों में काम नहीं करना चाहते। अपनी शिक्षा की एक खास मुश्किल यह है कि वह पढ़ने के बाद नौकरी का मतलब मेज-कुर्सी पर बैठने वाले यानी कि बाबू वर्ग का निर्माण मानती है। शारीरिक श्रम के प्रति शिक्षा नफरत क्यों सिखाती है। लोग शारीरिक श्रम को भी छोटा मानने लगते हैं। जिम में जाकर वजन घटाने की तरकीबें निकाली जा सकती हैं, मगर अपने ही खेतों को जोतने-बोने के लिए बाहरी मजदूर चाहिए। ये बातें सिर्फ किताबी ही क्यों हों और अमल में कभी न लाई जाएं कि कोई काम छोटा नहीं होता। हाल ही में ग्रामीण शिक्षा के बारे में एक रिपोर्ट जारी की गई है। इसे चौबीस राज्यों के छब्बीस जिलों के आंकड़ों के आधार पर तैयार किया गया था। एक हजार पांच सौ चौदह गांवों के तीस हजार चार सौ पचीस घरों के, छत्तीस हजार नौ सौ तीस बच्चों से बात की गई थी। इनकी उम्र चार साल से आठ साल के बीच थी। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि चार से आठ साल तक के लगभग नब्बे प्रतिशत बच्चे स्कूल जा रहे हैं। उम्र के साथ यह संख्या बढ़ते भी देखी गई। जैसे कि बहुत-सी जगहों पर आठ साल के साढ़े निन्यानवे प्रतिशत बच्चे स्कूल जा रहे हैं। चार से पांच साल की उम्र के बच्चों में लड़कियों की संख्या 56.8 प्रतिशत है। जबकि लड़के 50.4 प्रतिशत हैं। छह से आठ साल की उम्र के बच्चों में लड़कियां 61.1 प्रतिशत और लड़के 52.1 प्रतिशत हैं। यानी कि लड़कों के मुकाबले अधिक संख्या में लड़कियां स्कूल जा रही हैं। 2001 की जनगणना में ही बताया गया था कि गांवों में लोग अपनी लड़कियों को पढ़ाना चाहते हैं। और सिर्फ पढ़ाना ही नहीं, उन्हें आत्मनिर्भर भी बनाना चाहते हैं। इन आंकड़ों को देख रही हूं तो ऊपर चाची से हुई जो बातें लिखी हैं, वे रह-रहकर याद आ रही हैं। लड़कियां या लड़के पढ़-लिख जाएं तो रोजगार के लिए उन्हें अक्सर बड़े शहरों का मुंह देखना पड़ता है। क्यों उनके अपने शहरों, गांवों के आसपास रोजगार नहीं मिल सकते। सिर्फ पढ़ाने से समस्याएं हल नहीं होतीं। उसके बाद के रास्ते भी बनाने पड़ते हैं। यदि रोजगार वहीं हों, जहां हमारा घर-गांव हैं तो शहरों पर बढ़ती आबादी के बोझ को रोका जा सकता है। विस्थापन और उससे होने वाली परेशानियां कम हो सकती हैं। यही नहीं, पढ़ने वाले बच्चों को नए सिरे से यह सिखाने की जरूरत भी है कि वे चाहें तो अपने खेतों से ही सोना उगा सकते हैं। जिस चार, छह हजार की नौकरी को करने शहर जाएंगे, उसके मुकाबले अगर अपने खेतों पर ध्यान दें तो तकदीर बदल सकती है। किसान की शिक्षा उसकी खेती क्यारी के काम भी आ सकती है, यह अक्सर नहीं बताया जाता। लड़कियों को भी ऑनलाइन रोजगारों के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए। जिससे बाहर अगर कुछ न भी मिले तो वे घर बैठे ही अपनी आय के बहुत से साधन जुटा सकें।

सीधे संवाद से ही खुल सकती है गिरह

– शंकर शरण

दिल्ली के शाहीन बाग और देशभर में उससे मिलते-जुलते विरोध प्रदर्शनों ने हमारी राजनीति की एक पुरानी कमी को फिर से उजागर कर दिया। इससे यही आभास होता है कि देश के मुसलमानों को छोटी-मोटी बात पर भी बरगलाया जा सकता है। कहने को तो ये विरोध-प्रदर्शन नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में किए जा रहे हैं, लेकिन प्रदर्शनकारियों को विधि विशेषज्ञों या न्यायालय की भी परवाह नहीं। इससे एक बार फिर यही पुष्ट हुआ है कि मुस्लिम समुदाय के नेता अपने समुदाय को जैसे चाहें, वैसे लामबंद कर सकते हैं। हैरानी की बात यही है कि इस जकड़न को दूर करने के लिए हमारे राष्ट्रीय नेताओं और बुद्धिजीवियों ने कभी सोचा ही नहीं। इससे मुस्लिम समुदाय के साथ संवादहीनता ही बढ़ती गई। इसके लिए हिंदू पक्ष भी दोषी रहा। मुस्लिमों द्वारा मजहबी दावे होने पर हिंदू नेता व बुद्धिजीवी उस पर अनमने या फिर मौन रहते हैं। वे सीधी बात नहीं करते। दूसरी बाधा पार्टीबंदी है। हरेक मुद्दे पर विभिन्न् पार्टियां अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने में लग जाती हैं। वे दलीय संकीर्णता से ऊपर उठकर राष्ट्रीय दृष्टि से विचार नहीं करतीं। अरसे से चली आ रही इस परिपाटी के उलट होना तो यह चाहिए कि मुस्लिम मामलों पर अनिवार्य रूप से राष्ट्रीय दृष्टिकोण अपनाया जाए। ऐसा न करने के कई नुकसान होते हैं। ऐसी कमजोरियों का लाभ उठाकर दलीय स्वार्थवश तमाम ऐसे कार्य हुए हैं, जिन्होंने सामाजिक ढांचे व राष्ट्रीय हितों को क्षति पहुंचाई। इसी का छद्म नाम वोट बैंक की राजनीति है। इससे परिचित तो सभी हैं, परंतु इसके खिलाफ आवाज नहीं उठाते। नतीजतन, सेक्युलर और अल्पसंख्यक हितों के नाम पर तमाम ऐसे काम होते हैं, जो व्यापक रूप से नुकसान पहुंचाते हैं।इस पर राष्ट्रीय हित दृष्टि से कोई चिंता नहीं करता। यह स्थिति बदलनी चाहिए, वरना कश्मीर से केरल और गुजरात से असम तक एक ही बुराई नए-नए रूपों में सामने आती रहेगी। वह बुराई मूलत- अज्ञान जनित है। विश्व इतिहास और वर्तमान अनुभवों के आधार पर कहा जा सकता है कि हिंसा, विशेषाधिकार, अलगाववाद और दोहरी नैतिकता से अंतत- किसी का भला नहीं हो सकता। अब सभी देशों और यहां तक कि मुस्लिम समुदाय में भी यह महसूस करने वालों की संख्या बढ़ रही है कि मुस्लिम अशांति या पिछड़ेपन की वजह दूसरों को बताना आत्मप्रवंचना ही है। इसे देखते हुए हिंदुओं को भी अपनी हिचक और संकोच का परित्याग करते हुए ऐसे स्वरों को और प्रोत्साहन देना चाहिए। इसका सबसे अच्छा उपाय यही होगा कि ऐसे उलझन भरे मुद्दों पर खुले विमर्श को बढ़ावा दिया जाए।

इसकी अनदेखी का ही परिणाम है कि हिंदुओं व मुसलमानों के बीच अविश्वास, शिकायतें, गलतफहमियां बढ़ती गई हैं। इसका फायदा केवल कट्टरपंथियों ने ही उठाया। ऐसे रुख से गलत संदेश जाता है। गलत करने वाले को उसमें भागीदार और उससे लाभ उठाने वालों को उनके दोष बताने ही चाहिए। तभी वह नैतिक दबाव पड़ता है जो सामाजिक सामंजस्य के लिए जरूरी है। सच पूछें, तो नागरिकता संशोधन कानून की कैफियत में भी बचने और कतराने वाली प्रवृत्ति ही रही। इसीलिए सारी दुनिया में भारत सरकार और हिंदुओं के बारे में गलत छवि बनाने की मुहिम चल सकी, जबकि भारत भूमि पर पिछले सौ सालों से धार्मिक दृष्टि से पीड़ितों की तुलनात्मक सच्चाई सामने रखने में कोताही की गई। इसमें एकतरफा विमर्श बनाने की कोशिश हुई। इसका पूरा दोष केवल विरोधी दलों पर ही मढ़ना उचित नहीं होगा। वैसे भी भारत की किसी पार्टी में यह क्षमता नहीं कि वह मुसलमानों का मनचाहा इस्तेमाल करे। यह काम उनके अपने ही नेता करते हैं, जो किसी पार्टी के बंधक नहीं। वे सदैव अपने मजहबी हितों को सर्वोपरि रखते हैं। किसी पार्टी से मिला कोई लाभ या स्वार्थ भी उन्हें नहीं डिगाता। इस कटिबद्धता की जड़ से उलझने के बदले दलबंदी खेल में मशगूल रहना राष्ट्रहित में नहीं है। अनर्गल प्रलाप और तुष्टीकरण या दिखावटी उपाय मूल समस्या को जस का तस छोड़ देते हैं। इससे देश को नुकसान हुआ है। ये बातें हिंदुओं और मुसलमानों दोनों को समझाए जाने की जरूरत है, ताकि दोनों समुदायों के समझदार लोग आगे आएं और समानता पर आधारित न्याय की बात करें।जहां तक भारत की अधिकांश विकट समस्याओं की बात है तो उनके मूल में कहीं न कहीं हिंदू-मुस्लिम संबंध रहे हैं।

बिगड़े रिश्तों को संवारने का हुनर

सीताराम गुप्ता

यदि केवल अच्छे संबंधों की अधिकता हो तो जीवन कितना सुगम, सरल व संपन्न हो जाए लेकिन ऐसा होता नहीं है। संबंध बनते-बिगड़ते रहते हैं। संबंधों के विघटन की पीड़ा विशेष रूप से महत्वपूर्ण आत्मीय संबंधों के विघटन की पीड़ा बहुत दुखदायी होती है। इससे जीवन रूपी नौका का संतुलन डगमगाना स्वाभाविक है। वर्तमान संबंधों को अक्षुण्ण बनाए रखने व नए संबंध विकसित करने के साथ-साथ टूटे हुए अथवा तनावपूर्ण संबंधों को सुधारने के प्रयासों में कभी कमी नहीं आने देनी चाहिए। संबंध अनमोल होते हैं।

किंत्सुगी अथवा किंत्सुकुरोई टूटे हुए सिरेमिक अथवा कांच के पात्रों को स्वर्ण, रजत अथवा प्लेटिनम मिश्रित लैकर से जोड़ने की एक सदियों पुरानी कला अथवा शैली है, जिसका विकास पंद्रहवीं सदी में जापान में हुआ था। जब किसी बहुमूल्य पात्र अथवा कलाकृति में दरार आती है या वह टूट जाती है तो उसे न तो रखना ही अच्छा लगता है और न एकदम से फेंकना ही संभव हो पाता है। हमारे यहां टूटे हुए पात्रों अथवा कलाकृतियों को रखना अत्यंत अशुभ माना जाता है। देव प्रतिमाएं खंडित होने पर उनकी पूजा नहीं की जाती अपितु उन्हें जल में प्रवाहित कर दिया जाता है। इस मामले में जापानियों का दृष्टिकोण हमसे भिन्न है। वे अपूर्णता में भी सौंदर्य खोज लेते हैं। जब हम स्क्रैप से सुंदर कलाकृतियां बना सकते हैं तो सुंदर कलाकृतियों के टूट जाने पर उनकी मरम्मत क्यों नहीं कर सकते? जब हमारे शरीर के किसी अंग में चोट लग जाती है तो हम उसका उपचार करते हैं। तभी शरीर स्वस्थ रहता है। समाज को स्वस्थ रखने के लिए भी संबंधों के उपचार की आवश्यकता होती है।

किंत्सुगी का विकास वास्तव में इसी समस्या के कलात्मक उपचार के लिए हुआ था। इसके लिए अत्यंत सावधानी व कलात्मकता अनिवार्य है। इसमें पुनर्सृजन करना पड़ता है। किसी चीज़ का निर्माण सरल होता है लेकिन बिगड़ जाने पर उसका सुधार करना अत्यंत कठिन होता है। आज यूज़ एंड थ्रो संस्कृति के चलते हमने दुनिया को एक कूड़ेघर में परिवर्तित कर दिया है। इसी संस्कृति के प्रभाव के कारण हमने समाज को संबंधों का कूड़ाघर बना डाला है। हम स्वयं उस कूड़े-कचरे के ढेर के एक हिस्से से अधिक नहीं रह गए हैं। हम संबंधों को जीने की बजाय उन्हें ढोते रहते हैं। इस पर विचार करने की आवश्यकता है। हम अपने संबंधों को सुधारकर, उन्हें गरिमा व अर्थवत्ता प्रदान कर अपने जीवन को अत्यंत सहज व सार्थक बना सकते हैं। संबंधों के निर्वहन में हमसे जो चूक हुई व उसका जो प्रभाव पड़ा, उसे स्वीकार करने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए।यदि हम पुराने बिगड़े हुए संबंधों का नवीनीकरण कर पाते हैं तो ये हमारी कमज़ोरी नहीं, ताकत होगी। किंत्सुगी नामक इस कला के विकास के पीछे महत्वपूर्ण जापानी दर्शन कार्य करता है। वह दर्शन है अपूर्णता में सौंदर्य देखना, किसी चीज़ के व्यर्थ जाने पर दुख होना व परिवर्तन को स्वीकार करना।

भविष्यफल

मेष — आज का दिन आध्यात्मिक दृष्टि से अनोखी अनुभूति करानेवाला साबित होगा। गूढ़ और रहस्यमय विद्याएं सीखने में विशेष रुचि लेंगे। आध्यात्मिक सिद्धियां मिलने का योग है।

वृषभ — आज आपको दांपत्य जीवन का विशेष आनंद मिलेगा। आप परिवार सहित कहीं घूमने अथवा लघु प्रवास पर जाकर आनंद में दिन व्यतीत कर सकते हैं। स्नेहीजनों और मित्रों के साथ उत्तम भोजन करने का अवसर आएगा।

मिथुन — कार्य सफलता और यश एवं कीर्ति प्राप्त करने के लिए आज का दिन शुभ है। घर में सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे। आर्थिक लाभ की संभावनाएं हैं।

कर्क — आज का दिन शांत रहकर गुजारने के लिए कहते हैं। शारीरिक और मानसिक अस्वस्थता आपको बेचैन बना सकती है। आकस्मिक खर्च के योग हैं। प्रेमीजनों के बीच वाद-विवाद के कारण मनमुटाव हो सकता है।

सिंह — आज परिवार में मनमुटाव का वातावरण रह सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मन में नकारात्मक विचार आने से उदासी अनुभव कर सकते हैं। जमीन, मकान, वाहन आदि के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए दिन अच्छा नहीं है।

कन्या — शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य बना रहेगा। साथ ही आप प्रेमपूर्ण संबंधों से खुश रहेंगे। भाई-बहनों के साथ अच्छी तरह समय व्यतीत होगा और उनके द्वारा लाभ भी मिलेगा। प्रतिस्पर्धियों की चाल निष्फल रह सकती है।

तुला — आज आपकी मानसिक स्थिति दुविधापूर्ण रह सकती है, जिससे महत्वपूर्ण निर्णय न लेने की गणेशजी सलाह देते हैं। नए कार्य का प्रारंभ आज न करें। वाणी पर संयम रखने से परिजनों के साथ वाद-विवाद नहीं होगा। अपनी जिद् छोड़कर आपको समाधान करने पड़ेंगे। आर्थिक लाभ की संभावना है।

वृश्चिक — परिजनों के साथ आज का दिन आमोद-प्रमोद में व्यतीत होगा। शारीरिक और मानसिक प्रसन्नता रहेगी। प्रिय व्यक्तियों के साथ मुलाकात सफल और आनंददायक रहेगी। कोई शुभ समाचार मिलेगा।

धनु — आज का दिन कष्टदायक हो सकता है। पारिवारिक सदस्यों के साथ मनमुटाव की आशंका है। स्वभाव में क्रोध और आवेश रह सकता है, जिससे किसी के साथ उग्र तकरार का अवसर आ सकता है। स्वास्थ्य खराब होने के भी संकेत हैं।

मकर — आज का दिन आपके लिए बेहद शुभ है। आपके घर में किसी शुभ प्रसंग के आयोजन की संभावना है। किसी वस्तु की खरीदारी के लिए आज शुभ समय है। शेयर-सट्टा की प्रवृत्तियों में धन लाभ होगा। मित्रों, संबंधियों के साथ की मुलाकात आनंदित करेगी।

कुंभ — आज आप पर उच्च पदाधिकारी और बुजुर्ग वर्ग की भी कृपादृष्टि रहेगी। आपके सभी काम सरलता से संपन्न होते हुए प्रतीत होंगे। नौकरी-व्यवसाय के क्षेत्र में परिस्थिति अनुकूल रहेगी। आप मानसिक रूप से राहत महसूस करेंगे।

मीन — आज आप तन-मन से थकान तथा बेचैनी का अनुभव कर सकते हैं। संतान की समस्या आपको चिंतित कर सकती है। नौकरी में उच्च पदाधिकारियों के साथ वाद-विवाद होने से उनकी नाराजगी झेलनी पड़ सकती है।

सू- दोकू

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

शब्द सामर्थ्य -

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती हैं, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुमाश्ता 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नजदीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सवेरा।

1		2	■	■	■	3		
	■		■	4	5		■	■
6	7		8	■		■	■	9
■	10			■	11	12	13	
■	14		■	15				
16		■	■		■	■		■
17			18		■	19		■
	■	■		■	20	■	■	21
22				■	23			

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

वर्ष 2007 से 2016 तक के नगरीय निकायों के दैनिक वेतनभोगी होंगे नियमित

नगर निगम-नगर पालिका कर्मचारी संघ सम्मेलन में मंत्री जयवर्द्धन सिंह

ग्वालियर। नगरीय निकायों के वर्ष 2007 से 2016 तक के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों एवं सफाई कर्मचारियों को नियमित किया जाएगा। सामुदायिक संगठकों के नियमितिकरण का प्रस्ताव भी केबिनेट में रखा जाएगा। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री जयवर्द्धन सिंह ने भोपाल में आयोजित मध्यप्रदेश नगर निगम - नगर पालिका कर्मचारी संघ के स्नेह सम्मेलन में यह घोषणा की।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि इस संबंध में संघ के प्रतिनिधि मंडल से चर्चा कर जल्द आदेश जारी करने की कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाने, राष्ट्रीय पेंशन स्कीम का लाभ, अवकाश 290 से बढ़ाकर 340 दिन करने, सेवा समाप्ति और ईपीएफ के संबंध में भी सकरात्मक निर्णय लिये जाएंगे। श्री सिंह ने कहा कि नगरीय निकायों में नागरिकों की समस्या का समाधान सुनिश्चित करने के लिये मानव संसाधन जरूरी है। उन्होने कहा कि निकायो के सभी रिक्त पदों की पूर्ति की जाएगी। पदों की पूर्ति में दैनिक वेतनभोगियों को प्राथमिकता दी जाएगी। नगरीय निकायों के स्थापना व्यय बढ़ाने के संबंध में भी चर्चा की जाएगी।मंत्री श्री सिंह ने कहा कि चुंगी क्षतिपूर्ति की राशि के विषय में वित्तीय विभाग से चर्चा हुई है। वर्ष 2020-21 के बजट में इसमें वृद्धि की जाएगी। उन्होंने कहा कि निकायों के कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिये हमारे घर और कार्यालय के द्वार हमेशा खुले हैं। श्री सिंह ने कहा कि नगरीय निकायों के सभी कर्मचारी नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध करवाने के लिये पूरी तत्परता से कार्य करें। उन्होंने संगठन के पदाधिकारियों को सम्मानित किया। सम्मेलन में संघ के अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी ने कर्मचारियों की समस्याओं से अवगत कराया।

तीन उचित मूल्य दुकानों के विरूद्ध कार्रवाई

ग्वालियर। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशन दुकानों से राशन प्राप्त करने वाले जिन उपभोक्ताओं को माह जनवरी में राशन प्राप्त नहीं हुआ है उन्हें माह फरवरी में जनवरी एवं फरवरी माह का राशन उपलब्ध कराया जायेगा। जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक से प्राप्त जानकारी के अनुसार राशन दुकानों पर राशन के वितरण एवं अन्य अनियमितताओं की शिकायत पर शासकीय उचित मूल्य दुकान क्र.-183 बांके बिहारी प्राथमिक उपभोक्ता भण्डार को निलंबित कर शासकीय उचित मूल्य दुकान क्र.-192 पर संलग्न करने के आदेश जारी किए गए हैं। इसके साथ ही शासकीय उचित मूल्य दुकान क्र.-185 संध्या प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भण्डार को निलंबित कर न्यू कॉलोनी श्रमिक शासकीय उचित मूल्य दुकान पर संलग्न किया गया है तथा शासकीय उचित मूल्य दुकान वीरपुर को निलंबित किया जाकर सेवा सहकारी प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था गिरवई पर संलग्न करने के आदेश पारित किए गए हैं।

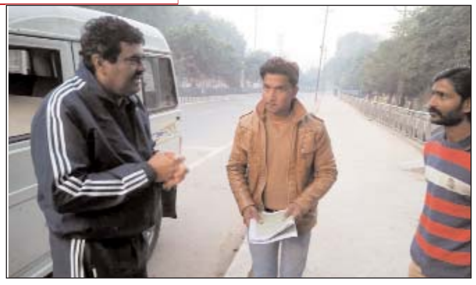

वार्डों में निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित मिले सफाई कर्मचारियों का एक दिवस का वेतन काटने के दिए निर्देश

ग्वालियर। स्वच्छता सर्वेक्षण 2020 में सफाई कर्मियों द्वारा शहर को साफ सुधरा रखने के लिए रात दिन काम किया सभी के सराहनीय प्रयास से शहर साफ दिखने लगा और आगे भी इसी प्रकार शहर को स्वच्छ व साफ रखना है। इसके लिए डब्ल्यूएचओ को सफाई कर्मियों के साथ मिलकर अपने अपने वार्ड को साफ रखना है। जहां भी दलेल की आवश्यकता हैं वहां दलेल लगाकर साफ सफाई कराई जाये। उक्ताश्य के विचार उपायुक्त स्वास्थ्य श्री सत्यपाल सिंह चैहान ने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए वार्ड 21, 19, 30 में सफाई कर्मियों को दिए।उपायुक्त स्वास्थ्य श्री सत्यपाल सिंह चैहान ने सुबह 7 बजे विभिन्न वार्ड का निरिक्षण किया । जिनमे सफाई मित्रों की उपस्थिति चैक कर शहर को साफ बनाये रखने के लिए कहा। निरीक्षण के दौरान वार्ड 21 में 34 सफाई मित्रों मे से 05 अनुपस्थित, वार्ड 19 मे 50 सफाई मित्रों मे से 05 अनुपस्थित एवं वार्ड 30 में 37 सफाई मित्रों में से 02 अनुपस्थित। इस प्रकार कुल 117 सफाई मित्रों में से 12 कर्मचारी अनुपस्थित रहे जिनके आज दिवस के वेतन काटने के निर्देश दिए गए।

अखिल भारतीय माहौर (ग्वार्रे) वैश्य महासभा की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक संपन्न

ग्वालियर। अखिल भारतीय माहौर (ग्वार्रे) वैश्य महासभा की नवगठित राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक जीवाजी क्लब में राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाशचन्द्र मांडिल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में निर्धन बालक-बालिकाओं के लिये निशुल्क शिक्षा के लिये समाज द्वारा योगदान देना, बेटी बचाओ बेटी पढाओ पर ज्यादा से ज्यादा जोर देने वैश्य समाज के लोगों को सहायता देना तथा उचित माध्यम से मदद करना, समाज को एक सूत्र में पिरोकर संगठित कर आगे बढाने का भी निर्णय लिया गया। स्वतंत्रतासंग्राम सेनानी भगवानदास माहौर की जयंती आगामी 27 फरवरी को अपने-अपने नगरों में धूमधाम से मनाने का भी निर्णय लिया गया। साथ ही विधान संशोधन एवं परिवर्तन समिति के संयोजक सेवानिवृत न्यायाधीश ओपी मांडिल ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती मीना गुप्ता ने किया। पदाधिकारियों का परिचय भी मीना गुप्ता ने कराया। इस बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवनारायण गुप्ता, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष विजय गुप्ता , राष्ट्रीय सहमंत्री अशोक कुमार गुप्ता (एडवोकेट), राष्ट्रीय प्रभारी हरीश सेवाराम गुप्ता ,ओपी गुप्ता , संजय गुप्ता, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य श्रीमती गायत्री बंसल, श्रीमती राधा मांडिल आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

जन समस्या निवारण शिविर 12 को

ग्वालियर। आम जनों की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण करने के लिए प्रदेश के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की पहल पर 12 फरवरी को तानसेननगर स्थित मिलन गार्डन पर जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर प्रात~ 10 बजे से शाम तक आयोजित किया जाकर लोगों की समस्याओं का निराकरण किया जायेगा। प्रदेश के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम के अधिकारियों को पत्र लिखकर कहा है कि शिविर में सभी विभागों के स्टॉल स्थापित कर आम जनों की समस्याओं का निराकरण किया जाए।

आईटीएम ग्लोबल के विद्यार्थियों ने दृष्टिहीनों को बांटे उपहार

ग्वालियर कभी दृष्टिहीन बच्चियों से कोई बच्चा दुनिया में हो रहे विकास और अपने सपनों की बाते कर रहा था तो कभी वे उन्हें अपने सपनों के बारे में बता रहे थे। कुछ तो ऐसे थे, जिन्हें गानें का इतना शौक था कि वे थोड़ी-थोड़ी देर में ही कुछ न कुछ गाकर सुना रहे थे। साथ ही उनकी दिनचर्या व उनके पढ़ने की टेक्निक के बारे में भी बहुत कुछ शेअर कर बच्चों की जिज्ञासा का समधान कर रहे थे।

मौका था आईटीएम ग्लोबल स्कूल के स्टूडेंट्स का आत्मज्योति दृष्टिहीन कन्या विद्यालय के बच्चों के साथ मुलाकात का। आईटीएम ग्लोबल स्कूल ने स्टूडेंट्स को दृष्टिहीन बच्चों के साथ भी मेलमिलाप कर उनसे उनकी समस्याओं और उनकी विशेष अध्ययन विधि से परिचय करवाने के लिए आत्मज्योति दृष्टिहीन कन्या विद्यालय की विजिट करवाई। इसमें प्री स्कॉलर के स्टूडेंट्स प्ले ग्रुप, नर्सरी, केजी, एलकेजी, यूकेजी आदि के स्टूडेंट्स ने वहां जाकर बच्चों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने नेत्रहीन बच्चों की विशेष शिक्षण पद्धति ब्रेल लिपी को भी जाना। उन्होंने गौर किया कि दृष्टिहीन स्टूडेंट्स किस तरह एक पेपर पर बने कुछ डोट्स को उंगलियों से छूकर वे पढ़ते और लिखते हैं। वे ऐसे ही ब्रेल लिपि से बिना रूके पढ़ते जाते हैं।

बच्चों को बांटे गिफ्ट और फ्रूट्स आत्मज्योति दृष्टिहीन कन्या विद्यालय में विजिट के दौरान स्कूल के बच्चों ने काफी अच्छा समय बिताया। इस दौरान दृष्टिहीन कन्या विद्यालय के बच्चों ने कई गानें भी सुनाएं। वहीं स्कूल के बच्चों ने उन्हें कई पोयम। इसके बाद आईटीएम ग्लोबल स्कूल के स्टूडेंट्स ने सभी को कई गिफ्ट, फ्रूट्स व अन्य फूड पैकेट्स भी वितरित किए।

गंगा परिवार एवं धरणीधर समिति की संयुक्त बैठक आयोजित, कार्यक्रमों का वार्षिक कैलेंडर घोषित किया

ग्वालियर। किरार भवन गांधी रोड पर गंगा परिवार एवं धरणीधर समिति की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में गंगा परिवार एवं धरणीधर समिति द्वारा आयोजित होने वाले आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई एवं दोनों समितियों का वार्षिक कैलेंडर कार्यक्रम घोषित किया गया।

गंगा परिवार के राष्ट्रीय महामंत्री श्री दीवान सिंह ने गंगा परिवार द्वारा चलाये जा रहे अभियान के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि गंगा परिवार धार्मिक संगठन है। जिसके द्वारा गंगा में बहाये जा रहे गंदे नालों को लेकर आमजन को जागरूक करने के लिए जनजागरूकता अभियान वर्षभर चलायेगें। साथ ही समाज उत्थान के लिए भी गंगा परिवार वर्ष भर आयोजन करेगा जिससे समाज में सदभावना का भाव बना रहे। इस अवसर पर धरणीधर समिति के राष्ट्रीय संयोजक श्री नरेश सिंह किरार ने कहा कि धरणीधर धार्मिक संगठन तो है ही साथ ही समाज उत्थान के लिए भी कार्य कर रहा हैं। धरणीधर समिति द्वारा अगस्त माह में बलराम जंयती प्रदेश के सभी जिलों में धूमधाम से मनाई जायेगी।

बैठक के शुभ अवसर पर धरणीधर समिति के राष्ट्रीय संयोजक नरेश सिंह किरार एवं गंगा परिवार के राष्ट्रीय महामंत्री श्री दीवान सिंह किरार, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मान सिंह राजपूत, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री नीरज सिंह राजपूत, राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री श्री भूपेंद्र राजपूत, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री रामेश्वर किरार, जिला अध्यक्ष श्री सुनील राजपूत, प्रदेश महामंत्री श्री धरणीधर समिति श्री भूपेंद्र राजपूत एवं जिला अध्यक्ष श्री सुल्तान सिंह राजपूत आदि प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बगैर पंजीयन के समर्थन मूल्य पर नहीं बेच सकेंगे किसान गेहूं

ग्वालियर। रबी मौसम में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिये पंजीयन प्रारंभ कर दिया गया है। ऐसे किसान जो समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय करना चाहते हैं, उन्हें अपना पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। पंजीयन का कार्य एक फरवरी से शुरू हो गया है और यह 28 फरवरी तक जारी रहेगा। किसानों को इस बार मोबाइल एप के माध्यम से भी पंजीयन कराने की सुविधा दी गई है। ई-उपार्जन मोबाइल एप के अलावा एमपी किसान एप पब्लिक डोमेन में ई-उपार्जन पोर्टल पंजीयन केन्द्रों पर किसान अपना पंजीयन करा सकते हैं। गत वर्ष के पंजीकृत किसानों एवं नये किसानों को पंजीयन कराना जरूरी होगा। किसानों से आग्रह किया गया है कि वे निर्धारित तिथि में अपना पंजीयन अनिवार्य रूप से करवा लें।

पशुपालन मंत्री यादव ने भांडेर में किया नवीन गौशाला का लोकार्पण

ग्वालियर । पशु पालन, मत्स्य विकास एवं मछुआ कल्याण मंत्री श्री लाखन सिंह यादव ने दतिया जिले के भांडेर में नव-निर्मित गौशाला का लोकार्पण किया। उन्होंने गौशाला परिसर में पौधरोपण भी किया। मंत्री श्री यादव ने कहा कि गौशाला के निर्माण का उद्देश्य जहां एक ओर गौवंश को आश्रय स्थल उपलब्ध कराना है, वहीं दूसरी ओर निराश्रित गौवंश के कारण सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकना भी है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि अगले दो वर्षो में कोई भी निराश्रित गौवंश सड़कों पर नजर नहीं आयेगा। मंत्री श्री यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने एक वर्ष में लगभग एक हजार गौशालाओं के निर्माण के अपने लक्ष्य को लगभग पूर्ण कर लिया है। अधिकतर गौशालाओं का लोकार्पण भी हो चुका है। शेष गौशालाओं का निर्माण पूर्णता की ओर है। उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण में शेष दो हजार गौशालाओं के निर्माण का कार्य प्रारंभ किया जायेगा।

मेला परिसर में हुआ नुक्कड़ नाटकों का आयोजन

ग्वालियर। माननीय जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष श्री दीपक कुमार अग्रवाल एवं अन्य न्यायाधीशों की उपस्थिति में रविवार की शाम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ग्वालियर के सौजन्य से ग्वालियर व्यापार मेला में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की विभागीय प्रदर्शनी के सामने तथा ऑटोमोबाइल सेक्टर के पास दो नुक्कड़ नाटकों का छाया रंगमंच समिति ग्वालियर के कलाकारों के माध्यम से आयोजन कराया गया। रंगमंच समिति के कलाकारों द्वारा विभिन्न पात्रों के माध्यम से नालसा की नशा मुक्ति विधिक सेवा योजना, बाल विवाह निषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा, कन्या भ्रूण हत्या तथा नि:शुल्क विधिक सहायता विषयों पर रोचक प्रस्तुति की गई। उक्त नाटकों के अवसर पर काफी संख्या में महिलाओं तथा पुरुषों द्वारा सहभागिता की गई एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रयास की सराहना की गई।

गोवंश संरक्षण के लिये स्लोगन प्रतियोगिता

ग्वालियर। मुख्यमंत्री गौसेवा योजना अंतर्गत गौवंश संरक्षण% के महत्व पर पशुपालन विभाग ने mp .mygov.in के माध्यम से स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की है। इसकी पुरस्कार राशि 10 हजार रूपये है। प्रविष्टियाँ प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 29 फरवरी 2020 नियत की गई है।

इस प्रतियोगिता में नागरिक अधिकतम 20 शब्दों में स्लोगन दे सकते है। प्रविष्टि को उसके लॉग-इन विवरण के आधार पर ही प्रतियोगिता में शामिल किया जायेगा। प्राप्त प्रविष्टियों का उपयोग कर सर्वाधिकार गौपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड के पास सुरक्षित रहेगा। अधिक जानकारी के लिये वेब पोर्टल mp.mygov.in पर संपर्क किया जा सकता है।

अगर मन में ठान लो तो मुश्किल कुछ भी नहीं-आकाश बरुआ

युवा समाजसेवी आकाश बरुआ से उपसम्पादक अर्पित गुप्ता की खास बातचीत

ग्वालियर-ज्यादातर देश की 50त्न से अधिक युवा पीढ़ी नशे की लत से धँसती चली जा रही है और बीमारियों का शिकार हो रही है तक वहीं कुछ युवा देश का भविष्य रचने के किये आगे बढ़ रहे हैं यहां हम बात कर रहे हैं मप्र के ग्वालियर शहर के आकाश बरुआ की जिन्होंने छोटी से उम्र से ही बड़ा संघर्ष किया और आज ग्वालियर शहर में समाजसेवा कर रहे हैं।

जानिए आकाश बरुआ के बारे में- आकाश बरूआ,जन्म ग्वालियर मध्यप्रदेश में 12 मई 1996 को हुआ।जन्म के कुछ समय बाद मां,बहन और भाइयों के साथ आगरा जिले के बाह तहसील में रहने लगे पिताजी ग्वालियर में ही नगर निगम मैं कार्यरत थे।आकाश की शुरूआती आधी स्कूली शिक्षा बाह उप्र में पूरी हुई,उसके बाद नौवीं मैं ग्वालियर आ गये,गांव की हिंदी माध्यम की पढ़ाई के बाद यहां अंग्रेजी माध्यम में दाखिला लिया काफी परेशानी आयी फिर ग्यारहवीं मैं गणित विषय लिया गणित अच्छा न लगने के कारण बारहवीं मैं बॉयलोजी ली जिसमें वह फैल हो गये।उसके बाद काफी दोस्तों और घर वालों ने मजाक बनाया फिर दोबारा बारहवीं की तैयारी जिसमैं प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए।उसके बाद आकाश ने बी.एस.सी बॉयलोजी मैं दाखिला लिया और महाराजा मानसिंह कॉलेज से तैयारी की जिसमें प्रथम सेमेस्टर में ए.टी.के.टी. फिर द्वितीय,चतुर्थ मे जैसे-तैसे पास हुए बी.एस.सी.हम पास किये इन्हीं कॉलेज के छह सेमस्टर के बीच में जेब खर्च के लिए एक कम्प्यूटर की दुकान पर पेनकार्ड के फॉर्म देने जाते थे जिसमें एक फॉर्म के चार रूपये मिलते जिससे किसी दिन 20 रु. तो किसी दिन 50 रू मिलते थे फिर उसके बाद आकाश के एक परिचित की सिक्योरिटी एजेंसी में रात में सुपरवाइजर का काम किया।जो न्यू कलैक्ट्रेट गुलमोहर सिटी में जिसमें गार्ड सो तो नहीं रहे ये देखना होता था।2 महीने बाद ये नौकरी छोड़ दी फिर इसके बाद स्पीड वर्ल्ड लॉजिस्टिक प्राइवेट लि.कंपनी में जॉब की जो किसी कारणवश बंद हो गयी। इसी दौरान एक संस्था के परिचय में जिसमें काम करना शुरू किया जो कुछ दिन बाद बंद हो गयी।जिसके बाद अकेले ही कार्य शुरू किया।आज आकाश रोटरी अंतरराष्टीय डिस्ट्रिक्ट 3053 की युवा ईकाई रोट्रेक्ट क्लब ऑफ ग्वालियर रीगल और मिशन ऑफ डवलपिंग आइडिया (मोदी) फांउडेशन के संस्थापक अध्यक्ष है इन्हीं द्वारा अपने कार्यों को संचालित करते है और अभी जीवाजी विश्वविधालय एम.ए. एक्सटेंशन एजूकेशन एंड सोशलवर्क द्वितीय वर्ष के छात्र है।।

चाणक्य और विवेकानंद जी ने किया प्रेरित-आकाश से हुई बातचीत में आकाश बताते हैं कि वह चाणक्य और स्वामी विवेकानंद जी को अपना आदर्श मानते हैं दोनों को पढ़कर शरीर मे अलग ही ऊर्जा का प्रवाह बहता है दोनों ने एक ही बात बोली है अगर हम समाज में रहकर समाज के उत्थान और नवनिर्माण मे किसी भी तरह का सहयोग नहीं कर रहे है तो जीवन निरर्थक है इन्हीं बातो ने मुझे समाज के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कालोनी भिण्ड रोड गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/MPHIN31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-भरत सिंह चौहान। E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333- मोबा.8269307478,